इंटर्नशिप रिपोर्ट
प्रथम दिवस (Day 1 Report)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**
दिनांक: _____
स्थान: _____
इंटर्न का नाम: _____
विषय: इंटर्नशिप का परिचय, नियम, उद्देश्य एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का प्रथम दिवस था। आज का मुख्य विषय "इंटर्नशिप का परिचय, नियम, उद्देश्य एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। इससे मुझे शुरुआत से ही यह समझ आया कि **internship** केवल **formal requirement** नहीं, बल्कि कौशल विकास का अवसर है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से इंटर्नशिप की नियमावली, उद्देश्य, प्रशिक्षण कार्यक्रम, उपस्थिति, अनुशासन और दैनिक रिपोर्ट लेखन पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation, presentation,**

participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **orientation, schedule, discipline, participation** और **report writing** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. इंटर्नशिप के उद्देश्य, नियम और 20 दिनों की कार्ययोजना समझना। 2. दैनिक रिपोर्ट लेखन, समय पालन और अनुशासन के निर्देश नोट करना। 3. **Teacher Training** क्षेत्र में अपनी सीखने की दिशा निर्धारित करना। 4. प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदार व्यवहार अपनाना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि समय पालन, नियमित उपस्थिति, विनम्र व्यवहार, सक्रिय भागीदारी और सीख को प्रतिदिन लिखना। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। इससे मुझे शुरुआत से ही यह समझ आया कि **internship** केवल **formal requirement** नहीं, बल्कि कौशल विकास का अवसर है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और

problem solving जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "इंटर्नशिप का परिचय, नियम, उद्देश्य एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching**

profession की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

द्वितीय दिवस (**Day 2 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: **Teacher Training** का परिचय और शिक्षा में इसका महत्व

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का द्वितीय दिवस था। आज का मुख्य विषय "**Teacher Training** का परिचय और शिक्षा में इसका महत्व" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। प्रशिक्षित शिक्षक कक्षा को अधिक रोचक, व्यवस्थित और सीखने योग्य बना सकता है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation**, **feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **Teacher Training** की आवश्यकता, प्रशिक्षित शिक्षक का महत्व, शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation**,

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **teacher training, quality education, child-centred learning** और **professional attitude** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. **Teacher Training** का अर्थ और महत्व समझना। 2. प्रशिक्षित शिक्षक की विशेषताओं पर नोट बनाना। 3. विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण के उदाहरण लिखना। 4. शिक्षण पेशे की सामाजिक भूमिका पर चर्चा करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि शिक्षक प्रशिक्षण शिक्षा को व्यवस्थित, प्रभावी और बच्चों की जरूरतों के अनुकूल बनाता है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। प्रशिक्षित शिक्षक कक्षा को अधिक रोचक, व्यवस्थित और सीखने योग्य बना सकता है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का

प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने **"Teacher Training** का परिचय और शिक्षा में इसका महत्व" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

तृतीय दिवस (**Day 3 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: शिक्षक की भूमिका, जिम्मेदारियाँ और नैतिक मूल्य

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का तृतीय दिवस था। आज का मुख्य विषय "शिक्षक की भूमिका, जिम्मेदारियाँ और नैतिक मूल्य" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। शिक्षक के व्यवहार में **fairness**, **patience** और **honesty** का होना विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनता है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation**, **feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से शिक्षक की भूमिका, जिम्मेदारियाँ, नैतिक मूल्य, निष्पक्षता, संवेदनशीलता और आदर्श आचरण पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation**, **presentation**, **participation**,

practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **role of teacher, ethics, responsibility** और **fair behaviour** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. शिक्षक की प्रमुख भूमिकाओं की सूची बनाना। 2. नैतिक व्यवहार और निष्पक्षता के उदाहरण लिखना। 3. कक्षा में शिक्षक की जिम्मेदारियों पर अवलोकन नोट तैयार करना। 4. आदर्श शिक्षक के गुणों पर संक्षिप्त टिप्पणी बनाना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि शिक्षक का व्यवहार विद्यार्थियों के ज्ञान, चरित्र और आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred approach** की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने

और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। शिक्षक के व्यवहार में **fairness**, **patience** और **honesty** का होना विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनता है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "शिक्षक की भूमिका, जिम्मेदारियाँ और नैतिक मूल्य" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास

करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

चतुर्थ दिवस (**Day 4 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: शिक्षण कौशल और प्रभावी कक्षा प्रबंधन

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का चतुर्थ दिवस था। आज का मुख्य विषय "शिक्षण कौशल और प्रभावी कक्षा प्रबंधन" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। कक्षा में स्पष्ट नियम और सकारात्मक संवाद रहने पर बच्चे बिना डर के सीखते हैं। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से शिक्षण कौशल, कक्षा प्रबंधन, अनुशासन, समय नियंत्रण, प्रश्न पूछने की शैली और विद्यार्थियों की भागीदारी पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation, presentation, participation, practice** और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते

हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **classroom management, teaching skills, discipline** और **student participation** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. कक्षा प्रबंधन के नियमों को समझना। 2. विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने के तरीके लिखना। 3. समय प्रबंधन और अनुशासन पर नोट बनाना। 4. एक छोटी शिक्षण गतिविधि की योजना तैयार करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि व्यवस्थित कक्षा वातावरण सीखने को सरल और प्रभावी बनाता है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred approach** की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने

और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। कक्षा में स्पष्ट नियम और सकारात्मक संवाद रहने पर बच्चे बिना डर के सीखते हैं। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "शिक्षण कौशल और प्रभावी कक्षा प्रबंधन" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास

करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

पंचम दिवस (Day 5 Report)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: पाठ योजना निर्माण की प्रक्रिया और महत्व

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का पंचम दिवस था। आज का मुख्य विषय "पाठ योजना निर्माण की प्रक्रिया और महत्व" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। अच्छी पाठ योजना से शिक्षक को यह पता रहता है कि किस क्रम में पढ़ाना है और किस तरह मूल्यांकन करना है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **lesson plan** की आवश्यकता, उद्देश्य निर्धारण, शिक्षण सामग्री, **teaching steps, activity** और **evaluation** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation,**

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **lesson plan, objectives, teaching aids, activity** और **evaluation** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. पाठ योजना के मुख्य भागों को पहचानना। 2. किसी एक विषय पर छोटा **lesson plan** तैयार करना। 3. उद्देश्य, सामग्री, गतिविधि और मूल्यांकन बिंदु लिखना। 4. प्रशिक्षक से योजना पर **feedback** लेना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि पाठ योजना शिक्षक को स्पष्ट दिशा, आत्मविश्वास और समय प्रबंधन प्रदान करती है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred approach** की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है।

विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। अच्छी पाठ योजना से शिक्षक को यह पता रहता है कि किस क्रम में पढ़ाना है और किस तरह मूल्यांकन करना है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण

रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "पाठ योजना निर्माण की प्रक्रिया और महत्व" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की

प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

षष्ठ दिवस (**Day 6 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: बाल मनोविज्ञान और विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का षष्ठ दिवस था। आज का मुख्य विषय "बाल मनोविज्ञान और विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। विद्यार्थी की **age**, **interest** और **previous knowledge** को समझे बिना प्रभावी शिक्षण कठिन हो जाता है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation**, **feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से बाल मनोविज्ञान, आयु के अनुसार सीखने की क्षमता, रुचि, व्यवहार, प्रेरणा और व्यक्तिगत भिन्नता पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation**, **presentation**,

participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **child psychology, learning ability, individual difference** और **motivation** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. बाल मनोविज्ञान की मूल अवधारणाओं को समझना। 2. **slow learner** और **fast learner** की जरूरतों पर चर्चा करना। 3. विद्यार्थियों की रुचि और क्षमता के उदाहरण लिखना। 4. सीखने की कठिनाइयों के समाधान नोट करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि हर विद्यार्थी की सीखने की गति और आवश्यकता अलग होती है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। विद्यार्थी की **age**, **interest** और **previous knowledge** को समझे बिना प्रभावी शिक्षण कठिन हो जाता है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का

प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "बाल मनोविज्ञान और विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

सप्तम दिवस (**Day 7 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: शिक्षण विधियाँ: व्याख्यान, चर्चा, प्रदर्शन और गतिविधि आधारित शिक्षण

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का सप्तम दिवस था। आज का मुख्य विषय "शिक्षण विधियाँ: व्याख्यान, चर्चा, प्रदर्शन और गतिविधि आधारित शिक्षण" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। कभी **lecture** उपयोगी होता है, कभी **demonstration** और कभी **group activity** अधिक प्रभावी होती है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से व्याख्यान, चर्चा, प्रदर्शन, प्रश्नोत्तर, **group activity** और **activity based teaching** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation, presentation, participation,**

practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **lecture, discussion, demonstration, activity based teaching** और **learner participation** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग -अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. विभिन्न शिक्षण विधियों की तुलना करना। 2. किसी विषय के लिए उपयुक्त **teaching method** चुनना। 3. **discussion** और **demonstration activity** का उदाहरण बनाना। 4. **Activity based teaching** पर नोट तैयार करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि विषय के अनुसार सही शिक्षण विधि चुनने से सीखना प्रभावी होता है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred approach** की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है।

विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। कभी **lecture** उपयोगी होता है, कभी **demonstration** और कभी **group activity** अधिक प्रभावी होती है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण

रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "शिक्षण विधियाँ: व्याख्यान, चर्चा, प्रदर्शन और गतिविधि आधारित शिक्षण" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की

प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

अष्टम दिवस (Day 8 Report)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: शिक्षण सामग्री और **TLM** का उपयोग

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का अष्टम दिवस था। आज का मुख्य विषय "शिक्षण सामग्री और **TLM** का उपयोग" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। एक छोटा **chart**, **model** या **real object** भी कठिन **concept** को बच्चों के लिए आसान बना सकता है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation**, **feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **TLM**, **chart**, **model**, **flash card**, **worksheet**, **real object** और स्थानीय सामग्री का उपयोग पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation**, **presentation**, **participation**, **practice** और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते

हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **TLM, teaching aids, chart, model, worksheet** और **learning by doing** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. **TLM** के प्रकार और उपयोग समझना। 2. किसी पाठ के लिए **chart** या **model** की योजना बनाना। 3. स्थानीय सामग्री से **teaching aid** बनाने का विचार लिखना। 4. **TLM** के लाभ और सावधानियाँ नोट करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि शिक्षण सामग्री कठिन विषयों को सरल, रोचक और दृश्यात्मक बनाती है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred approach** की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है।

विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। एक छोटा **chart**, **model** या **real object** भी कठिन **concept** को बच्चों के लिए आसान बना सकता है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण

रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "शिक्षण सामग्री और **TLM** का उपयोग" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की

प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

नवम दिवस (**Day 9 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट क्लास और डिजिटल टूल्स का उपयोग

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का नवम दिवस था। आज का मुख्य विषय "ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट क्लास और डिजिटल टूल्स का उपयोग" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। **Smart class** और **digital content** तभी उपयोगी होते हैं जब उनका संबंध सीधे **lesson objective** से हो। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **blackboard writing, smart class, presentation, video, digital tools** और **blended teaching** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation,**

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **blackboard, smart class, digital tools, presentation** और **e-learning** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. ब्लैकबोर्ड लेखन के नियमों को समझना। 2. एक **presentation** या **smart class content** की रूपरेखा बनाना। 3. **Digital tools** के सुरक्षित उपयोग पर नोट लिखना। 4. **Technology integration** के लाभ और सीमाएँ समझना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि परंपरागत और डिजिटल साधनों का संतुलित उपयोग कक्षा को आधुनिक बनाता है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। **Smart class** और **digital content** तभी उपयोगी होते हैं जब उनका संबंध सीधे **lesson objective** से हो। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का

प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट क्लास और डिजिटल टूल्स का उपयोग" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

दशम दिवस (**Day** 10 **Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: मूल्यांकन पद्धति: परीक्षा, मौखिक प्रश्न और गतिविधि मूल्यांकन

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का दशम दिवस था। आज का मुख्य विषय "मूल्यांकन पद्धति: परीक्षा, मौखिक प्रश्न और गतिविधि मूल्यांकन" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। **Assessment** केवल **marks** देने के लिए नहीं, बल्कि **learning gap** समझने के लिए भी जरूरी है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से लिखित परीक्षा, मौखिक प्रश्न, **class activity, assignment, feedback** और **continuous evaluation** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation,**

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **assessment, evaluation, oral test, assignment** और **feedback** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. मूल्यांकन के प्रकारों की सूची बनाना। 2. लिखित और मौखिक प्रश्नों के उदाहरण तैयार करना। 3. **Activity based assessment** की रूपरेखा बनाना। 4. विद्यार्थियों की प्रगति मापने के तरीके समझना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि मूल्यांकन से विद्यार्थी की प्रगति और शिक्षक की शिक्षण प्रभावशीलता समझ आती है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred approach** की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है।

विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। **Assessment** केवल **marks** देने के लिए नहीं, बल्कि **learning gap** समझने के लिए भी जरूरी है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण

रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "मूल्यांकन पद्धति: परीक्षा, मौखिक प्रश्न और गतिविधि मूल्यांकन" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की

प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

एकादश दिवस (**Day 11 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: विद्यार्थियों में अनुशासन, प्रेरणा और आत्मविश्वास निर्माण

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का एकादश दिवस था। आज का मुख्य विषय "विद्यार्थियों में अनुशासन, प्रेरणा और आत्मविश्वास निर्माण" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। छोटी प्रशंसा भी विद्यार्थी के मन में **confidence** और सीखने की इच्छा बढ़ा सकती है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से अनुशासन, प्रेरणा, सकारात्मक व्यवहार, प्रशंसा, आत्मविश्वास निर्माण और **learning environment** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation, presentation,**

participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **discipline, motivation, confidence building** और **positive classroom culture** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. अनुशासन और प्रेरणा के सकारात्मक उपाय लिखना। 2. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने वाली गतिविधि बनाना। 3. **Praise** और **constructive feedback** का उपयोग समझना। 4. कक्षा में सकारात्मक वातावरण बनाने के तरीके लिखना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि प्रेरित विद्यार्थी अधिक सक्रिय, नियमित और आत्मविश्वासी बनते हैं। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। छोटी प्रशंसा भी विद्यार्थी के मन में **confidence** और सीखने की इच्छा बढ़ा सकती है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का

प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "विद्यार्थियों में अनुशासन, प्रेरणा और आत्मविश्वास निर्माण" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

द्वादश दिवस (**Day 12 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: समावेशी शिक्षा और कमजोर विद्यार्थियों की सहायता

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का द्वादश दिवस था। आज का मुख्य विषय "समावेशी शिक्षा और कमजोर विद्यार्थियों की सहायता" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। कमजोर विद्यार्थी को उपेक्षा नहीं, बल्कि **extra support**, सरल भाषा और **practice** की जरूरत होती है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **inclusive education, slow learners**, विशेष सहायता, समान अवसर, **remedial teaching** और सहानुभूति पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation,**

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **inclusive education, weak learners, remedial support** और **equal opportunity** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. समावेशी शिक्षा का अर्थ समझना। 2. कमजोर विद्यार्थियों की सहायता के उपाय लिखना। 3. समान अवसर और सम्मानजनक व्यवहार पर चर्चा करना। 4. **Remedial teaching** की छोटी योजना बनाना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि हर बच्चे को समान सम्मान और सीखने का अवसर मिलना चाहिए। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। कमजोर विद्यार्थी को उपेक्षा नहीं, बल्कि **extra support**, सरल भाषा और **practice** की जरूरत होती है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का

प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "समावेशी शिक्षा और कमजोर विद्यार्थियों की सहायता" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

त्रयोदश दिवस (**Day 13 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: भाषा, संचार कौशल और शिक्षक-विद्यार्थी संबंध

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का त्रयोदश दिवस था। आज का मुख्य विषय "भाषा, संचार कौशल और शिक्षक-विद्यार्थी संबंध" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। शिक्षक का बोलने का तरीका, **facial expression** और **listening habit** कक्षा के वातावरण को प्रभावित करते हैं। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation**, **feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से भाषा की स्पष्टता, संचार कौशल, सुनने की कला, शिक्षक-विद्यार्थी संबंध और **classroom interaction** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation**, **presentation**,

participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **communication skill, active listening, teacher-student relationship** और **expression** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. प्रभावी संचार के तत्वों को समझना। 2. शिक्षक-विद्यार्थी संबंध मजबूत करने के उपाय लिखना। 3. स्पष्ट भाषा और **active listening** का अभ्यास करना। 4. कक्षा संवाद पर अवलोकन नोट तैयार करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि प्रभावी संवाद से भरोसा, अनुशासन और सीखने का वातावरण मजबूत होता है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। शिक्षक का बोलने का तरीका, **facial expression** और **listening habit** कक्षा के वातावरण को प्रभावित करते हैं। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और

problem solving जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "भाषा, संचार कौशल और शिक्षक-विद्यार्थी संबंध" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession**

की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

चतुर्दश दिवस (**Day 14 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: विद्यालय प्रशासन और रिकॉर्ड रखरखाव की जानकारी

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का चतुर्दश दिवस था। आज का मुख्य विषय "विद्यालय प्रशासन और रिकॉर्ड रखरखाव की जानकारी" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। सही रिकॉर्ड से **attendance, result, progress** और **school work** की पूरी जानकारी सुरक्षित रहती है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **attendance register, lesson diary, result record, stock register, school rules** और प्रशासनिक जिम्मेदारी पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation,**

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **school administration, record keeping, attendance, result register** और **documentation** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. विद्यालयी रिकॉर्ड के प्रकारों की सूची बनाना। 2. **attendance** और **lesson diary** के महत्व को समझना। 3. रिकॉर्ड रखरखाव की सावधानियाँ लिखना। 4. विद्यालय प्रशासन में शिक्षक की भूमिका नोट करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि सही **record keeping** से विद्यालय का कार्य व्यवस्थित और पारदर्शी रहता है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। सही रिकॉर्ड से **attendance**, **result**, **progress** और **school work** की पूरी जानकारी सुरक्षित रहती है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का

प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "विद्यालय प्रशासन और रिकॉर्ड रखरखाव की जानकारी" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

पंचदश दिवस (**Day 15 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: अभिभावक-शिक्षक संवाद और समुदाय की भूमिका

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का पंचदश दिवस था। आज का मुख्य विषय "अभिभावक-शिक्षक संवाद और समुदाय की भूमिका" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। अभिभावक और शिक्षक मिलकर विद्यार्थी की आदतों, नियमितता और **learning progress** को सुधार सकते हैं। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **parent-teacher meeting**, अभिभावक संवाद, **community support, feedback** और विद्यार्थी प्रगति पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation, presentation,**

participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **parent-teacher communication, community participation** और **feedback** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. **PTM** की प्रक्रिया और उद्देश्य समझना। 2. अभिभावकों से संवाद के सही तरीके लिखना। 3. समुदाय की भूमिका पर उदाहरण तैयार करना। 4. **Feedback** लेने और देने की भाषा का अभ्यास करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि घर, विद्यालय और समुदाय के सहयोग से विद्यार्थी का विकास बेहतर होता है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred approach** की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है।

विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। अभिभावक और शिक्षक मिलकर विद्यार्थी की आदतों, नियमितता और **learning progress** को सुधार सकते हैं। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण

रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने "अभिभावक-शिक्षक संवाद और समुदाय की भूमिका" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की

प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

षोडश दिवस (**Day** 16 **Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: **Practical Work:** पाठ योजना बनाना और कक्षा अवलोकन

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का षोडश दिवस था। आज का मुख्य विषय "**Practical Work:** पाठ योजना बनाना और कक्षा अवलोकन" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। कक्षा अवलोकन से वास्तविक **teaching style, student response** और **classroom discipline** को देखने का अवसर मिला। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **lesson plan preparation, classroom observation, teaching steps, student response** और **reflection notes** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की

प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation, presentation, participation, practice** और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **lesson planning, classroom observation, teaching practice** और **reflection** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. एक पाठ योजना तैयार करना। 2. कक्षा अवलोकन के मुख्य बिंदु नोट करना। 3. शिक्षण पद्धति और विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया देखना। 4. **Observation** के आधार पर **reflection** लिखना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि कक्षा अवलोकन वास्तविक शिक्षण प्रक्रिया को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। कक्षा अवलोकन से वास्तविक **teaching style**, **student response** और **classroom discipline** को देखने का अवसर मिला। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और

problem solving जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने **"Practical Work:** पाठ योजना बनाना और कक्षा अवलोकन" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching**

profession की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

सप्तदश दिवस (**Day 17 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: **Practical Work: Micro Teaching** और **Demo Class**

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का सप्तदश दिवस था। आज का मुख्य विषय "**Practical Work: Micro Teaching** और **Demo Class**" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। **Demo class** में छोटे-छोटे सुधार जैसे **voice clarity** और **board writing** बहुत महत्वपूर्ण लगे। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **micro teaching, demo class, peer feedback, voice control, board work** और **confidence building** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation,**

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **micro teaching, demo class, presentation skill** और **feedback** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. **Micro teaching** के चरणों को समझना। 2. **Demo class** के लिए छोटा पाठ तैयार करना। 3. आवाज, हाव-भाव और बोर्ड उपयोग का अभ्यास करना। 4. प्रशिक्षक और साथियों से **feedback** लेना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि छोटे शिक्षण अभ्यास से प्रस्तुति कौशल और आत्मविश्वास बढ़ता है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred approach** की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने

और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। **Demo class** में छोटे-छोटे सुधार जैसे **voice clarity** और **board writing** बहुत महत्वपूर्ण लगे। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने **"Practical Work: Micro Teaching और Demo Class"** को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास

करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

अष्टादश दिवस (**Day 18 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: **Teacher Training Project Work** की तैयारी

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का अष्टादश दिवस था। आज का मुख्य विषय "**Teacher Training Project Work** की तैयारी" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। **Project work** के लिए पहले उद्देश्य और **methodology** स्पष्ट हो तो रिपोर्ट बनाना आसान होता है। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **project topic selection, objective, methodology, data collection, analysis** और **report framework** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation,**

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **project work, methodology, data collection** और **report planning** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. **Project topic** और उद्देश्य निर्धारित करना। 2. **Data collection** और **methodology** की योजना बनाना। 3. **Report format** और **headings** तैयार करना। 4. **Project work** के लिए सामग्री व्यवस्थित करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि अच्छी **project planning** से अंतिम रिपोर्ट स्पष्ट और व्यवस्थित बनती है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred approach** की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है।

विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। **Project work** के लिए पहले उद्देश्य और **methodology** स्पष्ट हो तो रिपोर्ट बनाना आसान होता है। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण

रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने **"Teacher Training Project Work** की तैयारी" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की

प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

उन्नीसवाँ दिवस (Day 19 Report)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: **Report Writing, Data Collection** और **Presentation**

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का उन्नीसवाँ दिवस था। आज का मुख्य विषय **"Report Writing, Data Collection** और **Presentation"** रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। डेटा को सही क्रम में रखने से **report** और **presentation** दोनों प्रभावी बनते हैं। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **report writing, data organization, presentation, proofreading, correction** और **final submission** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation,**

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **report writing, data collection, presentation** और **proofreading** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. **Collected data** को व्यवस्थित करना। 2. **Report writing** के लिए **introduction, findings** और **conclusion** तैयार करना। 3. **Presentation** के लिए मुख्य बिंदु चुनना। 4. **Proofreading** और **final correction** करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि सही डेटा और स्पष्ट प्रस्तुति रिपोर्ट को प्रभावी और विश्वसनीय बनाते हैं। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। डेटा को सही क्रम में रखने से **report** और **presentation** दोनों प्रभावी बनते हैं। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का

प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने **"Report Writing, Data Collection** और **Presentation"** को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____

इंटर्नशिप रिपोर्ट

बीसवाँ दिवस (**Day 20 Report**)

संस्था का नाम: **Ali Tech Computer Education Foundation**

दिनांक: _____

स्थान: _____

इंटर्न का नाम: _____

विषय: **Internship Review, Learning Outcomes** और निष्कर्ष

1. परिचय

आज मेरी **Teacher Training** इंटर्नशिप का बीसवाँ दिवस था। आज का मुख्य विषय "**Internship Review, Learning Outcomes** और निष्कर्ष" रहा। यह विषय शिक्षक प्रशिक्षण के लिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहती। शिक्षक विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, अनुशासन, आत्मविश्वास, नैतिकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। **Teacher Training** के माध्यम से भावी शिक्षक को यह समझने का अवसर मिलता है कि कक्षा में किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए, बच्चों से कैसे संवाद करना चाहिए और विषय को सरल, स्पष्ट तथा रोचक ढंग से कैसे प्रस्तुत करना चाहिए। आज के विषय ने मुझे शिक्षक के कार्य को व्यावहारिक और जिम्मेदार दृष्टि से समझने में सहायता की।

प्रशिक्षक ने बताया कि एक अच्छा शिक्षक वही है जो विद्यार्थी की आवश्यकता, रुचि और क्षमता को समझकर शिक्षण कार्य करता है। अंतिम समीक्षा से यह स्पष्ट हुआ कि 20 दिनों में मैंने **teaching profession** को अधिक गंभीरता से समझा। इस कारण शिक्षक को विषय ज्ञान के साथ धैर्य, संवेदनशीलता, नेतृत्व, अनुशासन, योजना और मूल्यांकन कौशल भी विकसित करना चाहिए। आज के सत्र में मुझे यह भी समझ आया कि **Teacher Training** एक निरंतर अभ्यास की प्रक्रिया है। इसमें छोटे-छोटे अनुभव, **observation, feedback** और **self-improvement** मिलकर शिक्षक को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

2. प्रशिक्षण सत्र

आज का प्रशिक्षण सत्र मुख्य रूप से **internship review, learning outcomes, self evaluation, future improvement** और **final conclusion** पर आधारित रहा। सत्र की शुरुआत में प्रशिक्षक ने विषय की पृष्ठभूमि और उपयोगिता बताई। इसके बाद उदाहरणों, चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि कक्षा में शिक्षक का प्रत्येक निर्णय विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। हमें बताया गया कि **teaching process** में **preparation,**

presentation, participation, practice और **evaluation** सभी चरण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। यदि किसी एक चरण में सावधानी न रखी जाए तो पूरा शिक्षण कम प्रभावी हो सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान **review, learning outcomes, self evaluation** और **professional development** जैसे प्रमुख बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया। विद्यार्थियों को अपने विचार रखने, प्रश्न पूछने और वास्तविक कक्षा से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। इससे सत्र केवल **lecture** तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक बन गया। प्रशिक्षक ने यह भी बताया कि शिक्षक को हमेशा तैयार होकर कक्षा में जाना चाहिए, क्योंकि कक्षा में अलग-अलग स्वभाव, क्षमता और पृष्ठभूमि के विद्यार्थी होते हैं। सही **planning, clear instructions** और **friendly behaviour** से कक्षा का वातावरण बेहतर बनता है।

3. सौंपे गए कार्य

आज के दिन हमें निम्नलिखित कार्य सौंपे गए- 1. पूरे 20 दिनों की सीख को संक्षेप में लिखना। 2. **Learning outcomes** और **developed skills** की सूची बनाना। 3. **Self evaluation** और **improvement points** तैयार करना। 4. **Final report submission** के लिए सामग्री व्यवस्थित करना।

इन कार्यों का उद्देश्य आज के विषय को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसे समझने, लिखने और व्यवहार में लागू करने का अभ्यास कराना था। कार्य करते समय यह स्पष्ट हुआ कि **teacher training** में **theory** और **practical** दोनों का समान महत्व है। जब हम किसी विषय पर नोट तैयार करते हैं, उदाहरण खोजते हैं या छोटी गतिविधि बनाते हैं, तब विषय हमारी समझ में अधिक गहराई से बैठता है। इन कार्यों ने मेरी **writing skill, observation skill** और **self-study habit** को मजबूत किया।

4. विषय से प्राप्त मुख्य सीख

आज के विषय से मुझे यह मुख्य सीख मिली कि पूरे प्रशिक्षण की समीक्षा से अपनी प्रगति और सुधार की दिशा समझ आती है। शिक्षक को कक्षा में केवल जानकारी देने वाला व्यक्ति नहीं समझना चाहिए, बल्कि वह मार्गदर्शक, प्रेरक और सहायक भी होता है। एक शिक्षक को यह देखना पड़ता है कि कौन विद्यार्थी तेजी से सीख रहा है, किसे अतिरिक्त सहायता चाहिए और किस बच्चे को प्रोत्साहन की जरूरत है। इस दृष्टि से **Teacher Training** शिक्षक को बच्चों की भावनाओं और सीखने की गति के प्रति संवेदनशील बनाती है।

मुझे यह भी समझ आया कि सफल शिक्षण के लिए **teacher-centred**

approach की जगह **learner-centred approach** अधिक उपयोगी है। विद्यार्थी तब अधिक सीखते हैं जब उन्हें प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि में भाग लेने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता है। कक्षा में डर या दबाव के स्थान पर विश्वास, सहयोग और संवाद का वातावरण होना चाहिए। आज की मुख्य सीख यही रही कि शिक्षक का उद्देश्य केवल **syllabus** पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समझ, सोच और आत्मविश्वास विकसित करना है।

5. आज का अनुभव

आज का अनुभव मेरे लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। पहले मैं इस विषय को सामान्य रूप से देखता/देखती था/थी, लेकिन प्रशिक्षण के बाद इसकी गहराई समझ में आई। जब प्रशिक्षक ने **classroom situation** से जुड़े उदाहरण दिए, तब मुझे महसूस हुआ कि शिक्षक बनने के लिए केवल **subject knowledge** पर्याप्त नहीं है। शिक्षक को हर परिस्थिति में शांत रहकर, विद्यार्थियों को समझकर और सही भाषा का प्रयोग करके कक्षा को संभालना होता है।

सत्र के दौरान मैंने अपने भीतर कई सुधार बिंदु भी पहचाने। मुझे लगा कि मुझे अपनी बोलने की स्पष्टता, **board presentation**, **time management** और **confidence** पर लगातार अभ्यास करना चाहिए। साथियों के विचार सुनकर यह भी समझ आया कि हर विद्यार्थी की सोच अलग होती है और शिक्षक को इन विभिन्नताओं को सम्मान देना चाहिए। आज की **learning** ने मेरे मन में **teaching profession** के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ाया।

6. व्यवहारिक उपयोगिता

आज की सीख का उपयोग मैं भविष्य में **lesson plan** तैयार करने, **classroom activity** बनाने, विद्यार्थियों को समझाने, प्रश्न पूछने, **feedback** देने और **learning outcome** पर ध्यान देने में कर सकता/सकती हूँ। अंतिम समीक्षा से यह स्पष्ट हुआ कि 20 दिनों में मैंने **teaching profession** को अधिक गंभीरता से समझा। यह ज्ञान **school teaching**, **coaching**, **community education**, **tuition class** और किसी भी प्रकार की **educational activity** में उपयोगी रहेगा। यदि शिक्षक पहले से तैयारी करे और विषय को बच्चों के स्तर के अनुसार समझाए, तो **learning** अधिक प्रभावी हो जाती है।

व्यावहारिक जीवन में यह समझ मुझे **presentation** देने, समूह चर्चा कराने, बच्चों को प्रेरित करने और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों की सहायता करने में भी काम आएगी। **Teacher Training** से प्राप्त कौशल केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि **communication**, **leadership**, **responsibility** और **problem solving** जैसे क्षेत्रों में भी उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस प्रकार आज का

प्रशिक्षण मेरे **academic** और **professional** दोनों विकास के लिए महत्वपूर्ण रहा।

7. विकसित कौशल

आज के प्रशिक्षण से मेरी **communication skill, observation skill, planning ability, classroom awareness** और **reflective thinking** विकसित हुई। मैंने सीखा कि शिक्षक को अपनी बात सरल, शुद्ध और स्पष्ट भाषा में रखनी चाहिए। उसे विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनना चाहिए और उनके उत्तरों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। इससे बच्चे बिना डर के कक्षा में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया अधिक सक्रिय बनती है।

इसके साथ ही मेरी **note making, report writing** और **self-evaluation skill** में भी सुधार हुआ। आज के कार्यों ने मुझे यह समझाया कि शिक्षक को निरंतर सीखते रहना चाहिए। **feedback** को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में लेना चाहिए। यदि शिक्षक अपने तरीके की समीक्षा करता रहे, तो उसकी **teaching style** समय के साथ और प्रभावी बनती जाती है।

8. सावधानियाँ और सुधार बिंदु

प्रशिक्षक ने बताया कि शिक्षण कार्य में जल्दबाजी, बिना तैयारी के कक्षा में जाना, कठोर भाषा, पक्षपात, अस्पष्ट निर्देश और कमजोर विद्यार्थियों की उपेक्षा जैसी गलतियों से बचना चाहिए। शिक्षक को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए और कक्षा में **positive discipline** बनाए रखना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी बार-बार गलती करता है, तो उसे डांटने के बजाय समझाना, अभ्यास कराना और सही दिशा दिखाना अधिक उपयोगी होता है।

मेरे लिए सुधार बिंदु यह रहे कि मुझे अपनी आवाज की स्पष्टता, उदाहरण देने की क्षमता, **board writing**, समय प्रबंधन और प्रश्न पूछने की शैली पर अधिक अभ्यास करना चाहिए। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षण में भाषा सरल हो, उदाहरण बच्चों के जीवन से जुड़े हों और **activity** विषय से संबंधित हो। इन सावधानियों को अपनाकर ही शिक्षक प्रभावी, जिम्मेदार और विद्यार्थी-हितैषी बन सकता है।

9. निष्कर्ष

कुल मिलाकर आज का दिवस अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। आज मैंने **"Internship Review, Learning Outcomes** और निष्कर्ष" को **Teacher Training** के संदर्भ में समझा और यह जाना कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, नैतिकता, संवेदनशीलता, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इस प्रशिक्षण ने मुझे **teaching profession** की जिम्मेदारी को गंभीरता से समझने में मदद की।

आज की सीख को मैं केवल रिपोर्ट तक सीमित नहीं रखूँगा/रखूँगी, बल्कि आगे की प्रशिक्षण गतिविधियों और भविष्य के शिक्षण कार्य में लागू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार का **internship training** मेरे व्यक्तित्व, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और **professional development** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में मैं पूरी लगन, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए तैयार हूँ।

इंटर्न के हस्ताक्षर: _____